हैलो हिन्दुस्तान
दोपहर का अखबार
आज से गढ़ें कल
इंदौर, मंगलवार, 14 जनवरी 2014

पुलिस की फारेंसिक हिप्नोटिज्म ट्रेनिंग में 28 अधिकारी ले रहे हैं प्रशिक्षण

# दिमाग से डाटा रिकवर करने की विधि है सम्मोहन

नगर संवाददाता

इंदौर। पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल में सोमवार से शुरू हुई पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग में प्रदेश भर के सब इंस्पेक्टर से डीएसपी रेंक तक के 28 अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुधीर खेतावत ने बताया कि यदि कोई भी दृढ़ संकल्प लेकर सम्मोहन सिखता है या इसका प्रयोग करता है तो वह सौ फीसद सफल रहता है। श्री खेतावत ने बताया कि पुलिस द्वारा इसका प्रयोग कर फरियादी और आरोपी दोनों से सच जाना जा सकता है, बशर्ते उसे वह मंजूर हो, क्योंकि दोनों की ही रजामंदी के बगैर यह संभव नहीं है।

दृढ़ इच्छा शक्ति का एक उदाहरण देते हुए डॉ. खेतावत ने बताया कि यदि आपकी

आंखों की रोशनी कमजोर है और आप दूर लगे बोर्ड पर कुछ शब्द पढ़ने में कमजोर हों तो कुछ देर आंखें बंद करके मन ही मन यह सोचें कि आप उन्हें पढ़ पा रहे हैं और आपकी आंखों की रोशनी तेज होती जा रही है तो यकीनन पांच मिनट आंखें बंद कर खोलने पर आप वे शब्द पढ़ पाएंगे, जो कुछ ही देर पहले नहीं पढ़ पा रहे थे। एक और उदाहरण के जरिए उन्होंने बताया कि मान लो आप ये सोच लें कि आपके दोनों हाथ चुंबक हैं और आप आंखें बंद करें तो अपने आप आपके दोनों हाथ आपस में चिपकने लगेंगे। डॉ. खेतावत के इन दो उदाहरणों द्वारा सम्मोहन क्रिया सीख रहे तमाम उन अधिकारियों के आंखों की चमक बढ़ने लगी।

## देशभर में पहली बार

पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल के आईजी वरुण कपूर के अनुसार इस प्रकार की पुलिस ट्रेनिंग देशभर में पहली बार हो रही है। सोमवार से शुरू हुआ पुलिस की फोरेंसिक हिप्नोटिज्म ट्रेनिंग का यह दूसरा सेशन है। इससे पहले पहला सेशन दिसंबर माह में हुआ था, जिसमें पच्चीस पुलिस अधिकारियों ने प्रशिक्षण लिया था। श्री कपूर के अनुसार पहले प्रशिक्षण में लगभग बीस अधिकारियों के परिणाम आशातीत रहे। पहले प्रशिक्षण के दौरान उम्मीद यह लगाई जा रही थी कि पहली बैच में हिस्सा ले रहे 25 अधिकारियों में से पांच या छह अधिकारी ही सफल हो पाएंगे, लेकिन सेशन के अंतिम दिन जो परिणाम सामने आए, उससे स्पष्ट हो गया कि पुलिस की इच्छा शक्ति पर सवाल उठाने वाले बेतुकी बातें हैं।

## डाटा रिकवर करता है सम्मोहन

**सम्मोहन क्रिया वह है, जिससे किसी के भी मस्तिष्क के डाटा रिकवर किए जा सकते हैं। मसलन किसी भी दुर्घटना में फरियादी वाहन के नंबर तो देख लेता है, लेकिन उस दुर्घटना के शॉक में वह भूल जाता है, लेकिन वे नंबर उसके मस्तिष्क के किसी कोने में स्टोर हो जाते हैं। सम्मोहन क्रिया द्वारा उसे वे नंबर फिर से याद दिलाए जा सकते हैं।**

वरुण कपूर आईजी, पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल